भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1913

03.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

चीन द्वारा बांधों का निर्माण

1913. **डॉ. रमापति राम त्रिपाठी:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन के कथित रूप से ब्रह्मपुत्र नदी सहित उन सभी नदियों पर बांधों का निर्माण शुरू किया है जो चीन से होकर भारत में बहती हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारत ने इस मामले को चीन के साथ उठाया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर चीन की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) उक्त मामले में देश के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/प्रस्तावित कदम क्या हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) से (ङ) मार्च 2011 में 'चीन के जनवादी गणराज्य के राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बनाई गई 12 वीं पंचवर्षीय योजना की रूपरेखा' ने संकेत दिया कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी की मुख्य धारा पर तीन जल विद्युत परियोजनाएँ चीनी प्राधिकरणों द्वारा कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित की गई थीं। अक्तूबर 2015 में चीनी प्राधिकारियों द्वारा ज़ंगमु में एक जल विद्युत परियोजना के पूरी तरह से चालू होने की घोषणा कर दी गई थी।

सरकार ब्रह्मपुत्र नदी संबंधी सभी घटनाक्रमों पर सावधानीपूर्वक निगरानी रखती है। सीमा पार नदियों के पानी के उपयोग के संबंध में एक निम्न तटवर्ती राष्ट्र के रूप में सरकार को पर्याप्त अधिकार प्राप्त है और सरकार ने चीनी प्राधिकारियों को लगातार अपने विचार और चिंताओं से अवगत कराया है तथा उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ऊपर के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की गतिविधियों से निचले क्षेत्रों में स्थित राष्ट्रों के हितों को नुकसान न पहुंचे।

चीनी पक्ष ने कई मौकों पर हमें अवगत कराया है कि वे केवल नदी के प्रवाह की दिशा में जल विद्युत परियोजनाएं चला रहे हैं, जिसमें ब्रह्मपुत्र के पानी का विपथन शामिल नहीं है।

सीमा-पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चीन के साथ 2006 में स्थापित संस्थागत विशेषज्ञ स्तर तंत्र के दायरे में और साथ ही साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से भी चर्चा की गई है। हम अपने हितों की रक्षा के लिए सीमा पार नदियों के मुद्दे पर चीन के साथ संपर्क बनाए रखने का इरादा रखते हैं।

***